एक नजर

पूर्व मंत्री राकेश वर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया, समर्थकों ने दी शुभकामनाएं



बाराबंकी। पूर्व कारागार मंत्री एवं वरिष्ठ नेता राकेश वर्मा का जन्मदिन शनिवार को उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और चाहने वालों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने उनका स्वागत करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट किए और मिठाई खिलाकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं।इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने श्री वर्मा के स्वस्थ, दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना करते हुए उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। समर्थकों ने कहा कि राकेश वर्मा का राजनीतिक और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके साथ लोगों का जुड़ाव और स्नेह आज भी कायम है।जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने वालों का सिलसिला जारी रहा। समर्थकों ने इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए अपनी आत्मीयता का परिचय दिया। पूरे दिन शुभकामनाओं और बधाइयों का दौर चलता रहा।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण संपन्न, एसडीएम ने दिए सतर्कता के निर्देश



रामसनेहीघाट, बाराबंकी। जनगणना वर्ष 2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम बृजेंद्र उपाध्याय ने सभी कर्मियों को पूरी निष्ठा, सावधानी और सटीकता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्र का महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी प्रगणक घर-घर जाकर सही जानकारी दर्ज करें। प्रशिक्षण में द्वितीय चरण की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की विधि, मोबाइल ऐप के उपयोग और पूछे जाने वाले प्रश्नों की विस्तार से जानकारी दी गई।इस दौरान तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय, नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी, खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार राय सहित प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में जनगणना कर्मी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 1741 मरीजों को मिला उपचार

अयोध्या। जनपद के 37 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें कुल 1741 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मेले में बुखार से पीड़ित 509, सांस संबंधी बीमारी के 250, पेट संबंधी समस्या के 113, गैर संचारी रोगों के 120, चर्म रोग के 112 और हड्डी रोग के 109 मरीज पहुंचे। इसके अलावा 23 टीबी संभावित मरीजों की पहचान की गई, जबकि 54 मरीज एनीमिया से पीड़ित पाए गए।

सरयू तट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अयोध्या धाम के नया घाट, कच्चा घाट और गुप्तार घाट सहित विभिन्न जलाशयों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं जनौरा स्थित गिरिजा कुंड पर भी छठ पर्व धूमधाम से मनाया गया।

सरयू नदी के तट पर हजारों की संख्या में पहुंचीं व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं फल और पूजन सामग्री से सजे सूप लेकर घाटों पर पहुंचीं। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।गुप्तार घाट पर पर्व की विशेष छटा देखने को मिली। यहां महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में पुरुष भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। जनौरा के गिरिजा कुंड पर भी व्रती महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया।

कोहरे में काल बना ओवरलोड ट्रैक्टर, बाइक सवार तीन सगे भाई-बहनों की मौत

सीतापुर। घने कोहरे के बीच रविवार सुबह ईंटों से लदे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन सगे भाई-बहनों को कुचल दिया।

हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवारों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद सड़क पर तीनों के शव पड़े देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। हादसा तंबौर थाना क्षेत्र में रिहार स्थित पेट्रोल पंप के पास रविवार सुबह करीब छह बजे हुआ। मृतकों की पहचान देवपालपुर गांव निवासी शिशुपाल 18, पूजा देवी 19 और गायत्री देवी 18 के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई-बहन थे। जानकारी के मुताबिक, शिशुपाल अपनी दोनों बहनों के साथ किसी काम से लहरपुर गया था।

रविवार सुबह तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घना कोहरा होने के बीच ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर उन्हें कुचलता हुआ निकल गया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में मृतकों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। तीनों भाई-बहनों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद फरार ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया छठ महापर्व

रेउसा (सीतापुर)। क्षेत्र में छठ मैया की पूजा बड़े हर्सोल्लास से मनाई गई। उगते सूर्य का पूजन व अध्य देकर ब्रत पूर्ण किया गया। छठ मैया का यह चार दिन चलने वाले ब्रत के पहले दिन नहाय खाय व दूसरे दिन खरना के बाद तीसरे दिन शाम को जल में खड़े होकर अस्त होते सूर्य का पूजन अध्य दिया गया। जिसके अगले दिन सुबह होते सूर्य की पूजा व अध्य देकर ब्रत को पूर्ण किया गया। रेउसा क्षेत्र के लालपुर, चहलारी, राजापुर, हुसैनपुर खानी, नई बस्ती, रामीपुर, गोड़वा, चिरैया, श्रीराम पुरवा, पकरिया पुरवा, महेशपुर, कांतापुरवा आदि समस्त गांवो में स्थिति एक तालाब के जल में खड़े होकर बिधि बिधान से छठ मैया का पूजन किया गया। जिसके बाद उगते हुये सूर्य को अध्य दिया गया। इस बारे में सतीश मौर्य बताते है कि यह ब्रत 36 घण्टे से लेकर 40 घण्टे तक होता है जो चार दिनों में पूर्ण होता हैं। लालपुर के रामकिशोर पांडे व जमील बताते है कि हर वर्ष की भांति छठ पूजा के प्रति लोगो में उल्लासा बढ़ता जा रहा है। इस बार लोगों ने पूजा में पहले से ज्यादा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। पूजन के मौके पर तालाब के आस पास मेला लगता है ।

खाई में गिरी बाइक, रातभर नीचे दबे रहने से सुबह मिला शव

पहला (सीतापुर)। थाना रामपुर कलां क्षेत्र अंतर्गत बेहमा-दुघरा मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी और युवक उसके नीचे दब गया। पूरी रात बाइक के नीचे दबे रहने से उसकी मौत हो गई। रविवार सुबह ग्रामीणों की नजर खंदक में पड़ी बाइक पर गई। जिसके बाद हादसे की जानकारी सामने आई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार महमूदाबाद थाना क्षेत्र के शिष्टीपुर गांव निवासी राजाराम के पुत्र बब्लेश कुमार 30 शनिवार, 14 नवंबर को रामपुर कला थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव स्थित अपने मामा गीता राम के घर आए थे। रात करीब 10.30 बजे खाना खाने के बाद वह प्लैटिना बाइक से अपने घर लौट रहे थे। कि श्यामपुर जाने वाले मोड़ के पास बेहमा की ओर मुड़ते समय अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित गहरी खंदक में जा गिरी। हादसे में बब्लेश बाइक के नीचे दब गए। रात का समय होने और आसपास किसी के मौजूद न होने के कारण किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। वह पूरी रात बाइक के नीचे दबे रहे। रविवार सुबह मार्ग से गुजर रहे ग्रामीणों ने खंदक में बाइक पड़ी देखी। पास जाकर देखा तो बब्लेश बाइक के नीचे दबे हुए थे। उनकी पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी गई। खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बब्लेश अपने पीछे चार साल की मासूम बेटी छोड़ गए हैं। पिता की असमय मौत से बच्ची के सिर से पिता का साया उठ गया। इस हृदयविदारक घटना से गांव में भी शोक का माहौल है।

पांच दिवसीय समाज सुधारक बौद्ध नाट्य कला मंडल मेले का समापन

सेउता (सीतापुर)। रविवार को क्षेत्र के सेउता अम्बेडकर स्मारक स्थल पर आयोजित पाँच दिवसीय समाज सुधारक बौद्ध नाट्य कला मंडल मेले का समापन रविवार को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस भव्य समापन समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक ज्ञान तिवारी रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहित सक्सेना ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक ज्ञान तिवारी ने भगवान बुद्ध और भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करने के साथ किया।

यातायात माह में हरगांव पुलिस की अनूठी पहल

हरगांव (सीतापुर)। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और रात के अंधेरे में होने वाले हादसों से लोगों की जिंदगी बचाने के लिए हरगांव पुलिस ने सराहनीय पहल की है। यातायात माह के दृष्टिगत प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी ने पुलिस बल तथा अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड के सिक्योरिटी इंचार्ज जग नारायण सिंह के सहयोग से गन्ना लादकर चलने वाली बैलगाड़ियों पर रिफ्लेक्टर लगवाये। दरअसल, गन्ना पेराई सत्र के दौरान सड़कों पर गन्ना लदी बैलगाड़ियों की आवा जाही बढ़ जाती है। इनमें से अधिकांश बैलगाड़ियां रात के समय बिना किसी रोशनी अथवा सुरक्षा संकेतक के सड़कों पर चलती हैं। अंधेरे में पीछे से तेज गति से आने वाले वाहन चालकों को ये बैलगाड़ियां समय रहते दिखाई नहीं देतीं। जिससे टक्कर और गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। कई बार थोड़ी सी लापरवाही भी किसी परिवार की खुशियां छीन लेती है। इसी खतरे को देखते हुए हरगांव पुलिस ने दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के लिए रिफ्लेक्टर लगाने की पहल की। रिफ्लेक्टर पर पीछे से आने वाले वाहनों की रोशनी पड़ते ही बैल गाड़ियां दूर से दिखाई देने लगेंगी। इससे वाहन चालकों को समय रहते अपनी गति नियंत्रित करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में मदद मिलेगी। थाना हरगांव के प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी की इस पहल का उद्देश्य केवल यातायात नियमों का पालन कराना नहीं, बल्कि सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस ने किसानों और गन्ना ढुलाई करने वाले लोगों से अपील की कि रात में बैलगाड़ियों और अन्य वाहनों को सड़क पर ले जाते समय पर्याप्त सुरक्षा संकेतक, रोशनी और रिफ्लेक्टर का प्रयोग अवश्य करें। गौरतलब है कि यातायात जागरूकता तभी सार्थक होगी। जब नियमों के पालन के साथ दुर्घटनाओं की वजह बनने वाली छोटी-छोटी लापरवाहियों को भी दूर किया जाए। हरगांव पुलिस की यह पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समय रहते चमकता एक रिफ्लेक्टर किसी की जिंदगी बचाने का माध्यम बन सकता है।

सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा के साथ की गई पूजा से श्रद्धालुओं की मनोकामनाए



बाराबंकी। आस्था श्रद्धा और उल्लास के महापर्व छठ पर रविवार को बाराबंकी में भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जिले के विभिन्न घाटों और जलाशयों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने पूरे विधि.विधान और पारंपरिक रीति.रिवाजों के साथ भगवान सूर्य की आराधना कर अर्घ्य अर्पित किया। इसी क्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य हर वर्ष की भांति अपने परिवारजनों और इष्ट.मित्रों के साथ बंकी स्थित अपने आवास से ढोल.बाजों के साथ सत्ती माता मंदिर परिसरए ओम नगर बंकी पहुंचे। धार्मिक उल्लास और भक्ति गीतों के बीच यहां स्थापित जलाशय पर विधि.विधान से छठ पूजा संपन्न हुई। रामनाथ मौर्य और उनके परिवार ने सूर्य भगवान की पूजा.अर्चना कर अर्घ्य अर्पित किया।रामनाथ मौर्य ने कहा कि छठ महापर्व हिंदू धर्म के प्रमुख और अत्यंत पवित्र पर्वों में शामिल है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व में सूर्य देव और छठी मैया की आराधना की जाती है। मान्यता है कि सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा के साथ की गई पूजा से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा परिवार में सुखए शांति और समृद्धि आती है।उन्होंने बताया कि छठ व्रत कठिन नियमों और पूर्ण निष्ठा के साथ रखा जाता है। षष्ठी तिथि को व्रती निर्जल उपवास रखकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैंए जबकि सप्तमी की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होता है।इस पावन अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत भी छठ पूजा में शामिल हुईं। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ पूजा.अर्चना कर सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया और जिलेवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के सुखए समृद्धि और खुशहाली की कामना की।छठ पूजा के दौरान सत्ती माता मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ पर्व मनाया।इस अवसर पर मुख्य रूप से राजकरण रावतए अशोक मौर्यए अनिल मौर्यए अमन मौर्यए आदित्य मौर्यए रितेश मौर्यए रवि मौर्यए शत्रोहन लाल वर्माए आशीष मौर्यए माधुरी वर्माए रामेश्वर प्रसाद पांडेयए चंद्रशेखर उपाध्यायए रामबाबू अवस्थीए शिव कुमार राय और बजरंग बली पांडेय सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर की सुख-समृद्धि की कामना, छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब



बाराबंकी। लोक आस्था, सूर्य उपासना और छठी मैया की आराधना का चार दिवसीय महापर्व रविवार को जिले भर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। व्रती महिलाओं ने नागेश्वर नाथ तालाब व विभिन्न नदियों तालाबों और छठ घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को विधि-विधान से संध्या अर्घ्य अर्पित किया। छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से घाट गूंजते रहे। परिवार की सुख.समृद्धिए संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने पूजा.अर्चना की। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा।**निंदूरा** विकासखंड के ग्राम ताला में छठ पूजा को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। यहां छठ घाट पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दीपों और केले के पत्तों से सजे घाट पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा.अर्चना हुई। ग्राम दौलतपुरए मदीनपुरए बिसईए कंचनापुरए दिनपनाहए जयकरनपुरवा और मौलाबाद सहित आसपास के गांवों में भी छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया।**रामनगर** तहसील क्षेत्र में भी छठ पूजा की धूम रही। रामनगर कस्बे के टल उद्यान और गणेशपुर क्षेत्र में घाघरा नदी के तट पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं पहुंचीं। परिवार के सदस्यों ने भी पूजा में सहभागिता कर सहयोग किया। घाटों पर दिनभर धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। **रामसनेहीघाट** क्षेत्र के प्रसिद्ध बुढ़वा बाबा मंदिर स्थित कल्याणी नदी तट पर भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। दूर-दराज से पहुंची व्रती महिलाओं ने नदी में स्नान कर छठी मैया की पूजा.अर्चना की। सुरक्षा व्यवस्था के लिए नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। घाट पर भीड़ को व्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया गया।**सिरौलीगौसपुर** तहसील क्षेत्र के तलवारीए मरौचा और सोंधवा सहित विभिन्न घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। महिलाएं बांस के सूप में ठेकुआए फलए गन्नाए नारियल और दीप लेकर घाटों पर पहुंचीं और कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव की आराधना की। उपजिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज ने विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तेलवारी घाट पर तहसीलदार वीर बहादुर सिंहए पंचायत सचिव राजेश कुमार और पुलिस बल की तैनाती रही। घाटों पर सफाई और प्रकाश व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे।जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छठ महापर्व के आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकताए पारिवारिक सौहार्द और सामूहिक सहयोग की परंपरा को भी मजबूत किया। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रती महिलाएं पारण कर चार दिवसीय अनुष्ठान पूरा करेंगी।

वेदांतापुरम् कालोनी में पहली बार छठ पूजा का आयोजन



छठी मैया की आराधना का चार दिवसीय महापर्व जिले भर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। व्रती महिलाओं ने वेदांतापुरम् कालोनी अनौराकला, पपनमऊ चिनहट,लखनऊ। वेदांतापुरम् कालोनी के तालाब पर आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। अभी तक यह पर्व इमलीबधन में छठ की पूजा होती थी। सूर्य को विधि-विधान से संध्या अर्घ्य अर्पित किया। छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से घाट गूंजते रहे। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। छठ पूजा को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। छठ घाट पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दीपों और केले के पत्तों से सजे घाट पर पारंपरिक रीति-रवाजों के साथ पूजा-अर्चना हुई। कालोनी के सभी महिलाओं ने खुशी के साथ शामिल हुई। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा। पहली बार वेन्दतापुरम् कालोनी में राजेश सिंह,सन्तोषसिह उर्फ बबलू के सहयोग से छठ पूजा का कार्यक्रम का आयोजन किया।

एक नजर

अयोध्या के पंजाबी मंदिर में संस्थापक साकेतवासी महंत रामकृष्ण दास जी महाराज की मनाई गई पुण्यतिथि, संतों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अयोध्या धाम। रामनगरी अयोध्या स्थित श्री पंजाबी मंदिर (पंजाबी आश्रम) के संस्थापक साकेतवासी पूज्य महंत श्री रामकृष्ण दास जी महाराज की पुण्यतिथि बड़े ही श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अयोध्या के प्रमुख संत-महंतों और पंजाब से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर महाराज श्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए संत-महंतों ने साकेतवासी महंत रामकृष्ण दास जी के जीवन और उनके आदर्शों को याद किया। वक्ताओं ने बताया कि महाराज श्री का पंजाब से गहरा लगाव और आत्मीयता थी, जिसके कारण लोग उन्हें पंजाब का ही मानते थे और इसी वजह से इस स्थान का नाम %पंजाबी आश्रम% पड़ा। संतों ने उनके स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि वे अत्यंत विनम्र, सहृदय और सरल व्यक्तित्व के धनी थे, जिनमें एक सच्चे संत के सभी गुण झलकते थे। आश्रम की वर्तमान व्यवस्थाओं को देख रहे श्री रामसुंदर दास जी के निर्देशन एवं आह्वान पर अयोध्या धाम के संत-महंत इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर पूज्य महंत शशिकांत दास जी, महामंडलेश्वर (दंतधावन कुंड/डाढ़िया मंदिर) गिरीश दास जी, महंत मनीष दास जी, महामंडलेश्वर रामजी शरण जी, महंत सक्षम दास जी, संत दास जी महाराज एवं मंदिर के पुजारी सहित कई गणमान्य संत उपस्थित रहे। संतों ने बताया कि महाराज श्री के जीवन से प्रेरणा लेते हुए वर्तमान में पवन कुमार दास जी और महंत श्याम सुंदर दास जी की युगल जोड़ी पंजाब और अयोध्या स्थित दोनों आश्रमों की सेवा एवं व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन कर रही है। अंत में सभी संतों ने ठाकुर जी के चरणों में प्रार्थना की कि वे आश्रम के वर्तमान महंतों और सेवकों को ऐसी शक्ति प्रदान करें, जिससे वे निरंतर वैष्णव आराधन, संत सेवा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में अपना योगदान देते रहें।

सरयू घाट किनारे पड़े मिले मृत जानवर

अयोध्या धाम। रामनगरी अयोध्या में छठ महापर्व के दौरान नगर निगम की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ओर सरयू तट पर हजारों की संख्या में महिलाएं पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मां सरयू को अर्घ्य अर्पित कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर घाट के किनारे मृत जानवरों का पड़ा होना नगर निगम की कार्यशैली की पोल खोल रहा है।आस्था के इतने बड़े पर्व पर घाटों की साफ-सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी थी, लेकिन मृत पशुओं को समय रहते नहीं हटाया जाना अधिकारियों की संवेदनहीनता को उजागर करता है। सवाल यह है कि जब छठ पर्व को लेकर तैयारियों के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, तब जिम्मेदार अधिकारियों की नजर घाट किनारे पड़े मृत जानवरों पर क्यों नहीं पड़ी? मां सरयू की आराधना के बीच ऐसी अव्यवस्था नगर निगम के स्वच्छता संबंधी दावों पर करारा तमाचा है। वही नगर निगम के नगर आयुक्त को फोन करने पर उनके ओ एस डी द्वारा बताया गया कि टी एस आई को बोला गया है जल्द सफाई करवाई जा रही। बड़ा सवाल उठता है कि यह व्यवस्था पहले से क्यों नहीं की गई , घाटों का निरीक्षण पर्व के पहले क्यों नहीं किया गया

कवि गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बिसवां नगर (सीतापुर)। चर्चित साहित्यिक एवं धार्मिक संस्था सनातन धर्म सभा द्वारा समाजसेवी रजनीकांत दीक्षित की माता स्व0 कांती दीक्षित की प्रथम पुण्यतिथि पर एक कवि गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। घनश्याम शर्मा के संयोजन में रजनीकांत दीक्षित के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की रविन्द्र नाथ मिश्रा और मुख्य अतिथि के रूप में वयोवृद्ध शिक्षक और साहित्यकार डा0 सरला अवस्थी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन धर्मेन्द्र त्रिपाठी धवल ने किया। इस अवसर पर स्व0 कांती दीक्षित को उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाओं के द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ कु0 दिव्या वर्मा की वाणी वंदना से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में धर्मेन्द्र त्रिपाठी धवल, राघवेंद्र वर्मा, विजय कुमार रस्तोगी, शिवानंद दीक्षित प्रेमी, अखिलेश अखिल, दिव्या वर्मा, विद्यार्थी, रजनीकांत दीक्षित रंजन और घनश्याम शर्मा की काव्यात्मक प्रस्तुति विशेष सराहनीय रही। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत दीक्षित, श्रीमती दिव्यांशी, आँचल, शोभा मिश्रा, प्रतिमा सिंह, जितेंद्र मिश्रा जीतू, उमाकांत दीक्षित, रमाकांत दीक्षित, प्रशांत दीक्षित, दिनेश चंद्र अवस्थी, शिवम त्रिवेदी, सन्तोष दीक्षित, अंकित यादव, दिनेश कुमार कनौजिया, मुदित मिश्रा, वेदांत मिश्रा, छोटेलाल गुप्ता, ओमकार सिंह, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के साथ काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त कवियों को स्मृति चिन्ह, एवं अंग वस्त्र पटका से सम्मानित करने एवं आयोजक रजनीकांत दीक्षित के आभार व्यक्त करने के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

तेज रफ्तार बस ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

सिधौली (सीतापुर)। बिसवां चौराहे के पास सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर शनिवार रात तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने सड़क पार कर रही एक महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बस को पकड़कर चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार कस्बे के मोहल्ला गांधीनगर उत्तरी निवासी किरण मिश्रा 60 पत्नी सन्तोष कुमार मिश्र शनिवार रात करीब 9.30 बजे बिसवां चौराहे पर मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती खरीदने आई थीं। बताया जाता है कि इसी दौरान वह सड़क पार कर रही थीं। तभी बिसवां चौराहे की तरफसे मिश्रिख मार्ग की ओर जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बस उन्हें कुचलती हुई निकल गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बस को पकड़ लिया और चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस बस और चालक को लेकर पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

बाइक सवार तीन सगे भाई-बहनों की मौत

सीतापुर। घने कोहरे के बीच रविवार सुबह ईंटों से लदे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन सगे भाई-बहनों को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवारों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद सड़क पर तीनों के शव पड़े देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। हादसा तंबौर थाना क्षेत्र में रिहार स्थित पेट्रोल पंप के पास रविवार सुबह करीब छह बजे हुआ। मृतकों की पहचान देवपालपुर गांव निवासी शिशुपाल 18, पूजा देवी 19 और गायत्री देवी 18 के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई-बहन थे। जानकारी के मुताबिक, शिशुपाल अपनी दोनों बहनों के साथ किसी काम से लहरपुर गया था। रविवार सुबह तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घना कोहरा होने के बीच ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर उन्हें कुचलता हुआ निकल गया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में मृतकों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। तीनों भाई-बहनों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद फरार ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सांसद सुशीला सरोज व उनकी पुत्री पहुंची कार्यक्रम में

सिधौली (सीतापुर)। प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने के बाद पूर्व सांसद सुशीला सरोज की पुत्री अनुपमा सिंह सरोज शनिवार को पहली बार सिधौली पहुंचीं। वह अपनी मां सुशीला सरोज के साथ एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। इससे पहले नेशनल हाईवे पर सपा नेता मोहम्मद हसीन के आवास पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में अनुपमा सिंह सरोज ने कहा कि उन्होंने प्रशासनिक सेवा से वीआरएस समाज सेवा के उद्देश्य से लिया है। उनके वीआरएस को राजनीति या विधानसभा चुनाव से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न तो कोई सीट तय की है और न ही किसी क्षेत्र को अपना कार्यक्षेत्र बनाया है।